

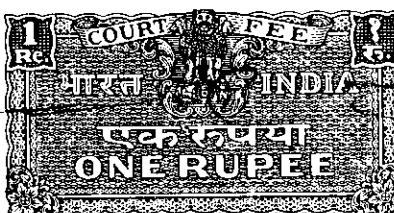
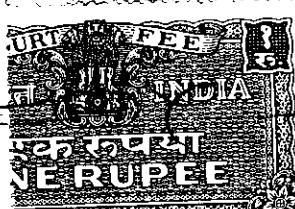
XXXIX(a)BR(H)-11

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक – RN 208/96

जिला – मुरैना

स्थान तथा दिनांक	वर्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
04-8-15	<p>प्रकरण का अवलोकन किया। यह निगरानी अपर आयुक्त, चंबल संभाग, ग्वालियर द्वारा प्रकरण क्रमांक 207/88-89/अपील में पारित आदेश दिनांक 25-1-96 के विरुद्ध म0प्र0 भू-राजस्व संहिता, 1959 (जिसे आगे संहिता कहा जायेगा) की धारा 50 के तहत प्रस्तुत किया गया है।</p> <p>2— प्रकरण के तथ्य अधीनस्थ न्यायालय के आदेश में उल्लिखित होने से उन्हें पुनः दोहराने की आवश्यकता नहीं है।</p> <p>3— आवेदक अधिवक्ता द्वारा प्रकरण का निराकरण अभिलेख के आधार पर किये जाने का अनुरोध किया गया है।</p> <p>4— उभयपक्ष के विद्वान अधिवक्ताओं के तर्कों पर विचार किया एवं अभिलेख का अवलोकन किया। यह प्रकरण भूमि के पुनः पुनर्निर्धारण के संबंध में है प्रकरण में अनुविभागीय अधिकारी द्वारा प्रकरण में अधीक्षक, भू-परिवर्तन से जांच कराकर जांच प्रतिवेदन प्राप्त किया गया और तदुपरांत संहिता की धारा 59(1) के तहत पुनः निर्धारण किया गया है। अनुविभागीय अधिकारी के आदेश की पुष्टि कलेक्टर एवं अपर आयुक्त ने की है। प्रकरण में तीनों अधीनस्थ न्यायालयों के तथ्यों के संबंध में समर्वर्ती निष्कर्ष हैं जिनमें ऐसी कोई विधिक या सारवान त्रुटि परिलक्षित नहीं होती है, जिस कारण उनमें हस्तक्षेप आवश्यक हो।</p> <p>परिणामतः यह निगरानी निरस्त की जाती है। उभयपक्ष सूचित हों एवं अधीनस्थ न्यायालयों के अभिलेख वापिस हों।</p>	 संकेत संकेत



नामांतर - राजस्व मण्डल मंड़ी खालियार

प्रकरण क्र. १५-१६ निगरानी

C. R. B. 7.50
TRM H-21/21 288196

महिला सारिही हेतु पत्नी ता० राजेन्द्र नारा

झिंगन शति पंजाबी नियामो इंद्रो अन्तर्भूमि

अधिकारी रोह मुरैना -- प्रार्थी

बनाम

मंड़ी पास्त -- प्रतिप्राणी

निगरानी विलम्ब आदेश दिनांक २५.१.१९६६ अपर शाकुत महोदय

चारवत संभाग प्रकरण क्रमांक २०७/८८-८९ अ० माल जिसके हारा

आदेश दिनांक २९.४.८९ अपर कलेक्टर महोदय मुरैना प्रकरणक्रमांक

४०/८७-८८ अ० माल एवं आदेश दिनांक १४.७.८७ नामांतर अनुचितभागीन

अधिकारी महोदय मुरैना प्रकरण क्रमांक ६७२/८१-८२। ५९ में पारित

आदेश को स्थिर रखा गया है।

===== 0 =====

श्रीमानजी,

सर्विका नग निवैदन है विद्वान् श्रीमान ग्राम जौरासुर के
सर्वे क्रमांक ५८९ के अंश भाग १०८० वर्ग फीट पर भवन निर्माण करने के इन स्तरमा
मूल राजस्व संहिता की धारा ५९ के अन्तर्गत हाषमान टैक्स दिनांक १६.७.८२ को
आगत किया गया जिसके सम्बन्ध में पुनराकलीक्तन का शावेदन पश्च अनुचितभागी
अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया जो स्वीकार करते हुए आदेश दिनांक
१६.७.८२ को निरस्त कर दिया गया तथा पुनः हाषमान टैक्स निधारित
किया गया है जिसके असतर २०५ वर्ग फीट पर ५ रुपया २५ पैसे प्रति १००
वर्ग फीट के विवर से वर्ष १९७९-८० के अन्तर्लास के विवात के बारे